PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

PMA India

प्रथम फेज़ से प्राप्त परिणाम

अगस्त-अक्टूबर 2020

COVID-19

मुख्य परिणाम

लगभग **84%** घर परिवारों ने आय के पूर्ण या आंशिक नुकसान के बारे में बताया, और **39%** ने घरेलू आय की पूर्ण नुकसान के बारे में बताया।

32% सुविधा वितरण केंद्र COVID-19 प्रतिबंधों के दौरान बंद थे, जिनमें से **69%** एक महीने या उससे अधिक अवधि के लिए बंद थे।

48% महिलाएँ जिन्हें COVID-19 प्रतिबंधों के दौरान सुविधा वितरण केंद्र जाने की आवश्यकता थी, वे COVID-19 के डर से सुविधा वितरण केंद्र पर नहीं गयी।

खंड 1: COVID-19 को लेकर चिंताएँ व बचाव के लिए कदम

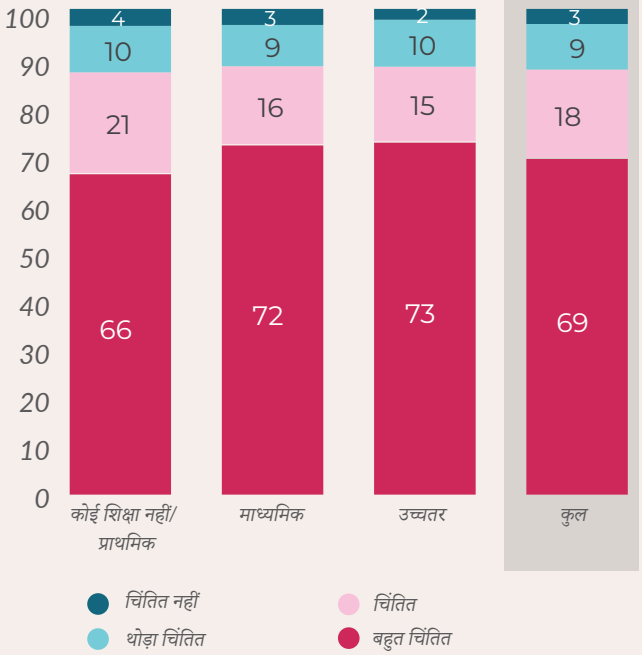

COVID-19 को लेकर चिंताएँ

शिक्षा के अनुसार, महिलाओं का प्रतिशत जो कि COVID 19 से संक्रमित होने को ले कर चिंतित है (n=5,385)

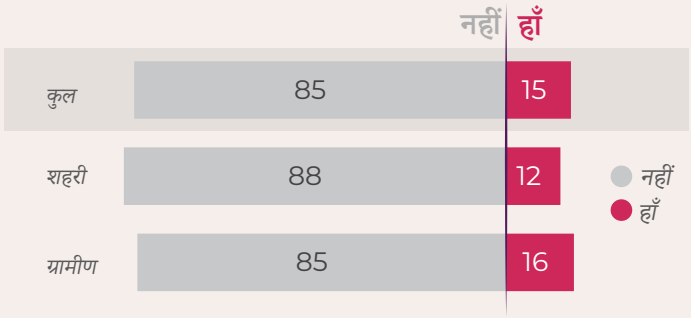

99.7%
महिलाएं COVID-19 के बारे में जानती है
(n=5,404)

COVID-19 से बचने के लिए वर्तमान समुदाय छोड़ा

निवास के आधार पर उन महिलाओं का प्रतिशत जिन्होने COVID 19 से बचने के लिए पिछले 12 माह में एक भी रात अपने समुदाय से दूर बिताई (n=4,253)

खंड 1 के मुख्य परिणाम: COVID-19 को लेकर बचाव के लिए चिंताएँ व कदम

- लगभग 96% महिलाओं को COVID -19 से संक्रमित होने को लेकर कुछ चिंता थी व 69% महिलाओं ने बताया की वे COVID -19 से संक्रमित होने को लेकर बहुत चिंतित थीं।
- लगभग सभी महिलाओं को सर्वेक्षण के समय COVID -19 के बारे में पता था।
- 15% महिलाओं ने COVID-19 से बचने के लिए अपने वर्तमान समुदाय को छोड़ दिया।

खंड 2: COVID-19 का आर्थिक स्थिति पर प्रभाव

घर परिवार की आमदनी का नुकसान

वित्तीय स्थिति के आधार पर-ऐसी महिलाओं का प्रतिशत ,जिनके घर परिवार को COVID 19 के दौरान आय का नुकसान हुआ (n=5,384)

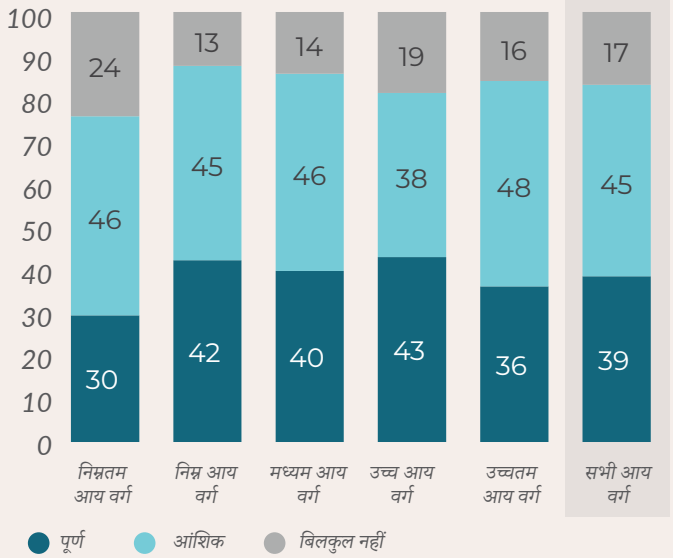

व्यक्तिगत आय का नुकसान

वित्तीय स्थिति के आधार पर – परिवार में रहने वाली ऐसी महिलाओं का प्रतिशत, जिनकी आय में आंशिक नुकसान हुआ है (n=2,380)

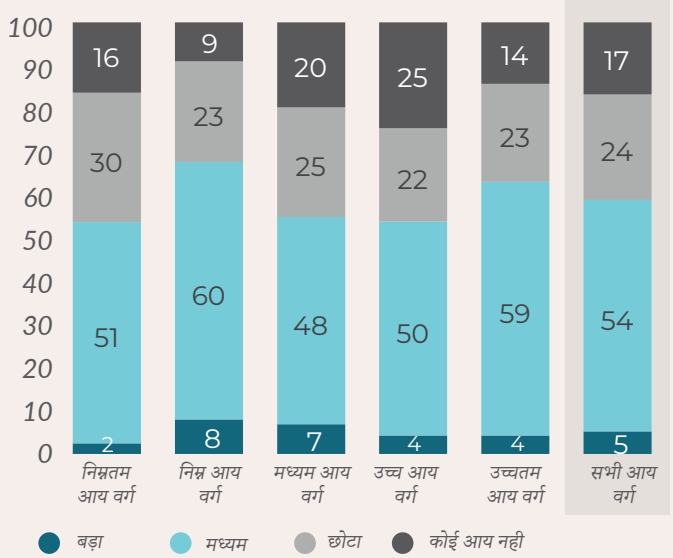

खाद्य असुरक्षा

वित्तीय स्थिति के आधार पर- उन महिलाओं का प्रतिशत जिन्होंने यह बताया कि COVID-19 के लॉकडाउन के कारण उनके परिवार के कम से कम एक सदस्य को भूखा रहना पड़ा (n=5,381)

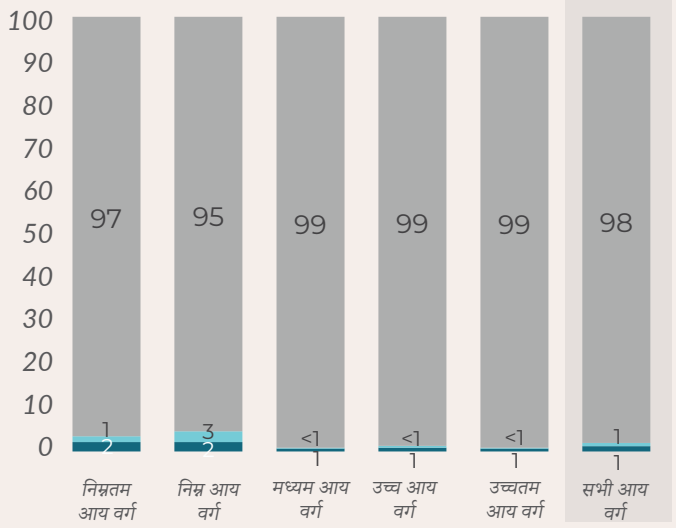

- *खाद्य असुरक्षा का अनुभव किया और COVID 19 लॉकडाउन से पहले की तुलना में COVID 19 लॉकडाउन के दौरान यह ज्यादा बार हुआ।*
- *खाद्य असुरक्षा का अनुभव किया और COVID 19 लॉकडाउन से पहले की तुलना में COVID 19 लॉकडाउन के दौरान यह ज्यादा बार नहीं हुआ।*
- *खाद्य असुरक्षा से नहीं गुजरना पड़ा।*

साथी पर आर्थिक निर्भरता में परिवर्तन

वित्तीय स्थिति के आधार पर- वर्तमान में विवाहित तथा आर्थिक रूप से अपने पति पर निर्भर महिलाओं में से उन महिलाओं का प्रतिशत जिन्होंने ये कहा कि वे COVID-19 के पहले की तुलना में पति पर अब अधिक निर्भर हैं। (n=4,012)

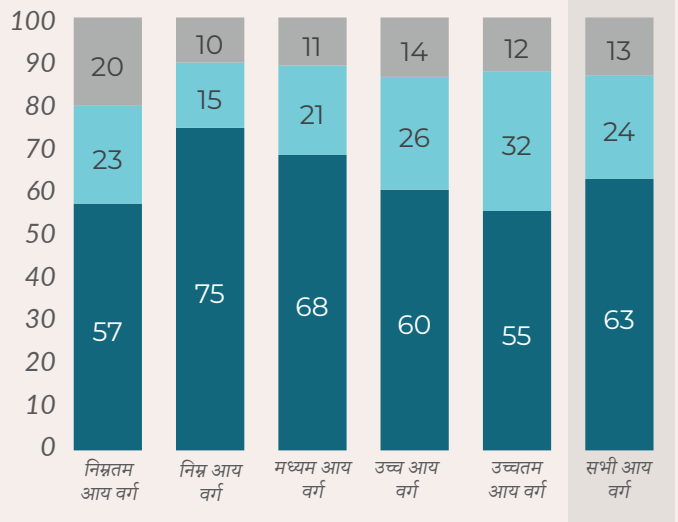

- *COVID-19 के दौरान अधिक निर्भर*
- *पूर्व जितनी ही निर्भरता*
- *आर्थिक रूप से निर्भर नहीं*

PMA | INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

वित्तीय चिंता

वित्तीय स्थिति के आधार पर- उन महिलाओं का प्रतिशत जो COVID-19 के कारण घर-परिवार की भविष्य की आर्थिक स्थिति के लिए चिंतित हैं। (n=5,376)

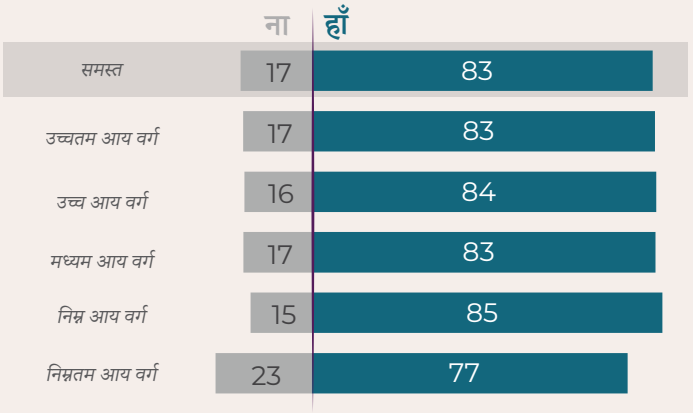

खंड 2 के प्रमुख परिणाम: COVID-19 का आर्थिक प्रभाव

- 83% ऐसी महिलाएं जिनके घर परिवार के आंशिक आय का नुकसान हुआ था उन्होने अपनी व्यक्तिगत आय के बड़े, मध्यम या छोटे नुकसान के बारे में बताया।
- विवाहित या साथी के साथ रह रही महिलाओं में से 63% महिलाओं ने COVID-19 प्रतिबंधों से पहले की तुलना में COVID -19 के दौरान अपने पति /साथी पर अधिक आर्थिक निर्भरता बताई।
- 83% महिलाएं अपने घर परिवार के वित्तीय भविष्य पर COVID-19 के प्रभाव के बारे में चिंतित थीं।

खंड 3: स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच में बाधाएं/व्यवधान

परिवार नियोजन के लिए स्वास्थ्य केंद्र जाने की आवश्यकता

आयु के अनुसार- COVID-19 लॉकडाउन के दौरान सेवा वितरण केंद्र जाने वाली महिलाओं में से उन महिलाओं का प्रतिशत जिन्हें परिवार नियोजन सेवाओं के लिए सेवा वितरण केंद्र पर जाने की आवश्यकता पड़ी। (n=2,074)

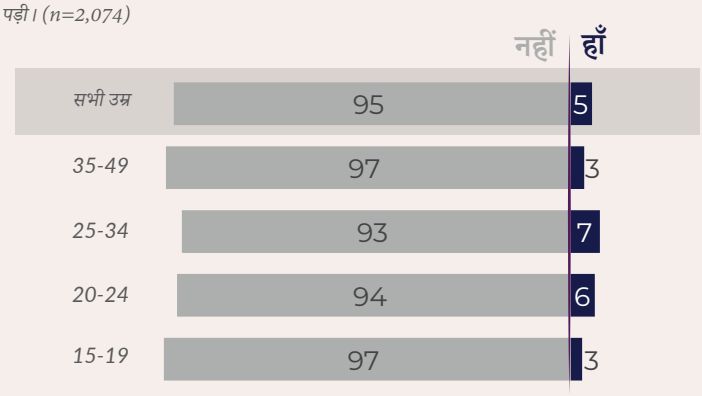

स्वास्थ्य सेवाओं तक सफल पहुँच

आयु के अनुसार- COVID-19 लॉकडाउन के दौरान सेवा वितरण केंद्र जाने वाली महिलाओं में से उन महिलाओं का प्रतिशत जो ये सेवायें लेने में सफल रही (n=2,072)

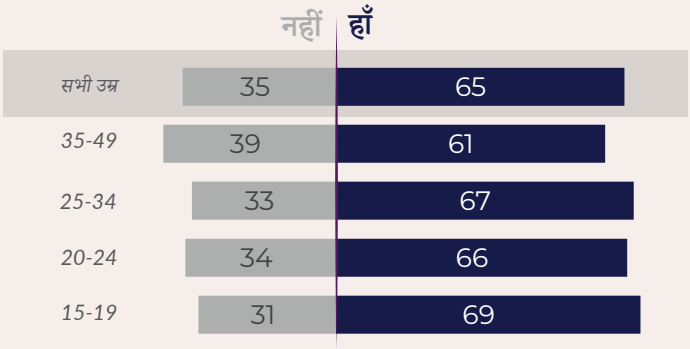

सेवा वितरण केंद्र तक पहुँचने में कठिनाई

आयु के अनुसार - COVID-19 लॉकडाउन के दौरान सेवा वितरण केंद्र पर जाने वाली महिलाओं में से उन महिलाओं का प्रतिशत जिन्होंने सेवा वितरण केंद्र तक पहुँच में किन्हीं परेशानियों का अनुभव किया (एक से अधिक जवाब संभव थे) (n=2,074)

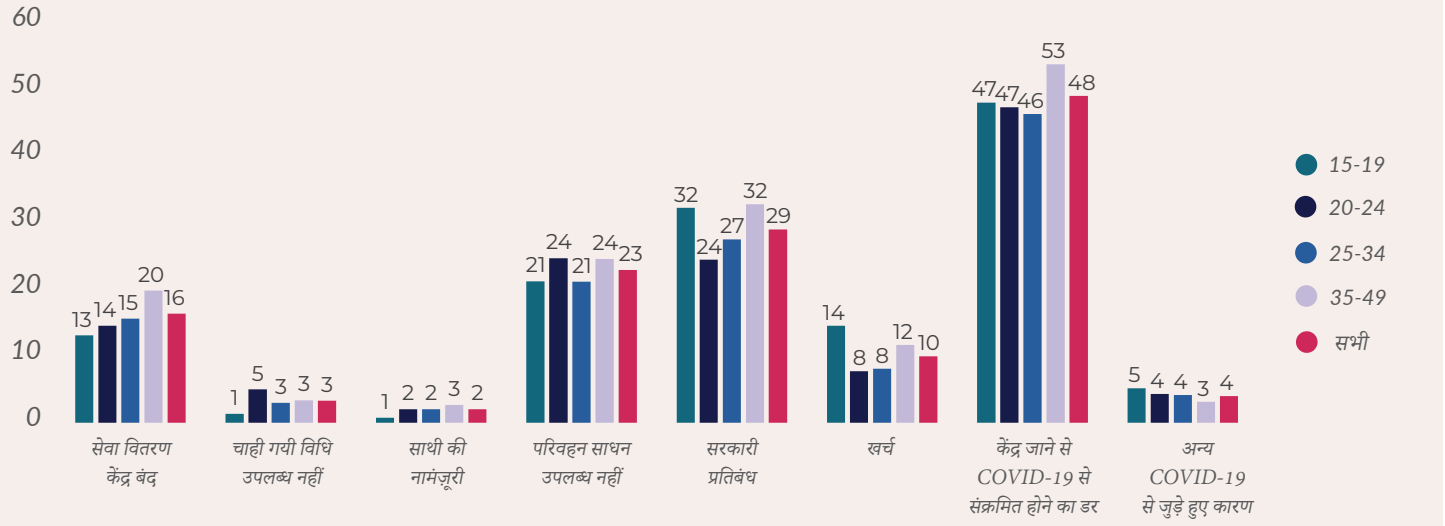

PMA INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

COVID के कारण परिवार नियोजन का प्रयोग नहीं कर रही

परिवार नियोजन की विधियों का इस्तेमाल नहीं कर रही महिलाओं में से उन महिलाओं का प्रतिशत जिन्होंने निम्नलिखित COVID-19 से संबन्धित कारण बताये (n=1,367)

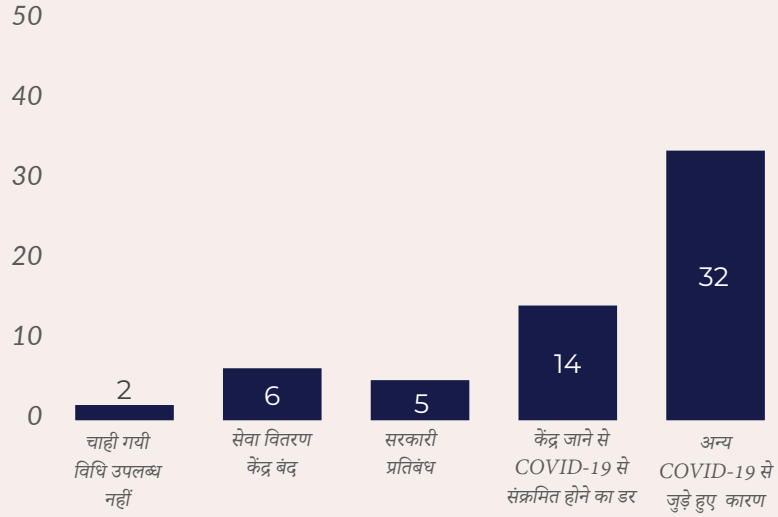

खंड 3 के मुख्य परिणाम: स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच में कठिनाइयाँ

- 35% महिलाएँ जिन्हें COVID-19 प्रतिबंधों के दौरान सेवा वितरण केंद्र जाने की आवश्यकता थी, वे स्वास्थ्य सेवाओं तक नहीं पहुँच पा रही थीं।
- COVID-19 प्रतिबंधों के दौरान सुविधा वितरण केंद्र पर जाने की आवश्यकता वाली लगभग 5% महिलाओं को परिवार नियोजन सेवाओं के लिए केंद्र पर जाने की आवश्यकता थी।

खंड 4 : सेवा वितरण केंद्र पर COVID-19 का प्रभाव

COVID-19 के लॉकडाउन के दौरान सेवा वितरण केंद्र का बंद रहना

उन सरकारी एवं निजी सेवा वितरण केन्द्रो का प्रतिशत जो COVID-19 लॉकडाउन के कारण बंद थी, अन्यथा वे खुली रहती | (n=575)

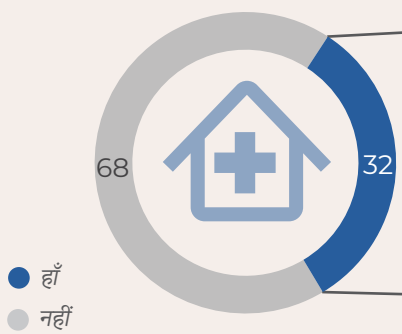

सरकारी एवं निजी सेवा वितरण केन्द्रों के COVID-19 लॉकडाउन के कारण बंद रहने की अवधी का प्रतिशत वितरण (n=184)

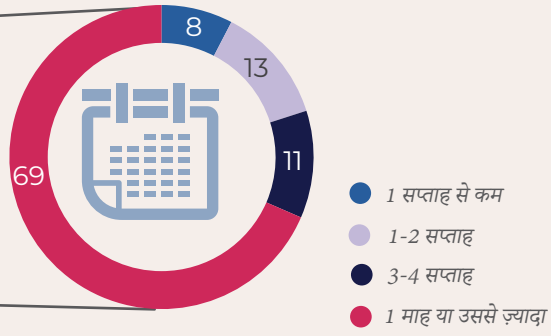

COVID-19 लॉकडाउन के दौरान परिवार नियोजन सेवाओं पर प्रभाव

उन सभी सेवा वितरण केन्द्रों का प्रतिशत जिन्होंने यह बताया कि COVID-19 लॉकडाउन के दौरान उनके परिचालन समय में कमी हुई (n=573)

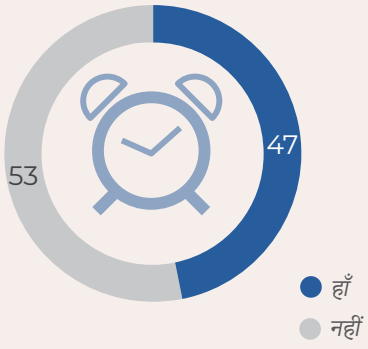

परिवार नियोजन सेवाएँ देने वाले ऐसे सेवा वितरण केन्द्रों का प्रतिशत जिनमें परिवार नियोजन सेवायें प्रदान करने वाले कर्मचारियों को COVID-19 लॉकडाउन के कारण COVID-19 से जुड़ी सेवाओं में लगा दिया गया (n=506)

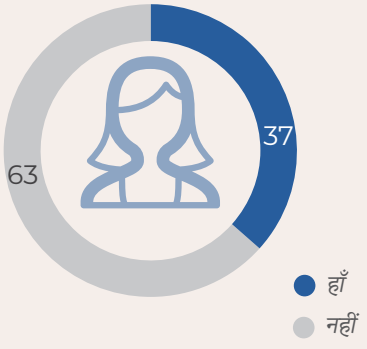

PMA INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

परिवार नियोजन सेवाएँ देने वाले ऐसे सेवा वितरण केन्द्रों में से उन स्वास्थ्य केन्द्रों का प्रतिशत जिन्होंने यह बताया कि COVID-19 लॉकडाउन के दौरान परिवार नियोजन की सेवायें बंद कर दी गई थी (n=507)

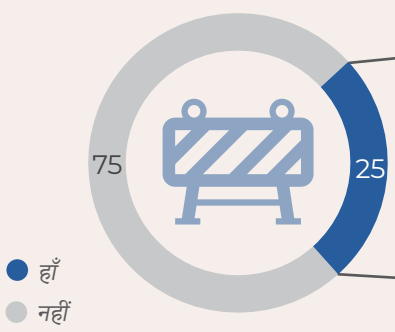

COVID-19 लॉकडाउन के दौरान परिवार नियोजन सेवाएँ बंद रहने के बारे में बताने वाले सेवा वितरण केन्द्रों का परिवार नियोजन सेवायें बंद रहने के समय के अनुसार वितरण (n=128)

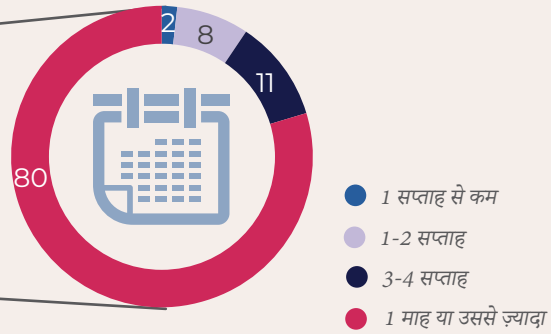

उन सभी स्वास्थ्य केन्द्रों का प्रतिशत जिन्होंने यह बताया कि COVID-19 लॉकडाउन के दौरान कर्मचारियों की अनुपस्थिति में वृद्धि हुई (n=574)

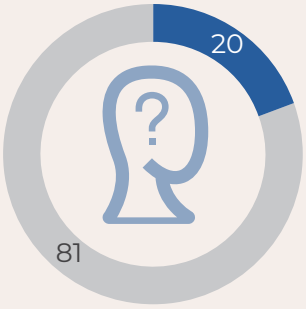

उन सभी स्वास्थ्य केन्द्रों का प्रतिशत जिन्होंने यह बताया कि COVID-19 लॉकडाउन के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों को प्रदान किये जाने वाले सहयोग व सुविधाओं में व्यवधान हुआ है (n=184)

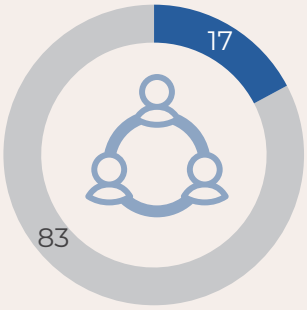

ऐसे सेवा वितरण केन्द्रो का प्रतिशत जिन्होंने यह बताया कि उन्होंने COVID-19 लॉकडाउन के दौरान भी परिवार नियोजन के लिए आने वाले लोगों का रिकॉर्ड रखा है | (n=505)

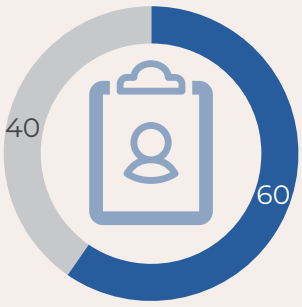

ऐसे सेवा वितरण केन्द्रों की उस समयावधि का प्रतिशत जब COVID-19 लॉकडाउन के कारण प्रदाता के द्वारा प्रदान की जाने वाली परिवार नियोजन विधियां प्रदान नहीं की गई (n=228)

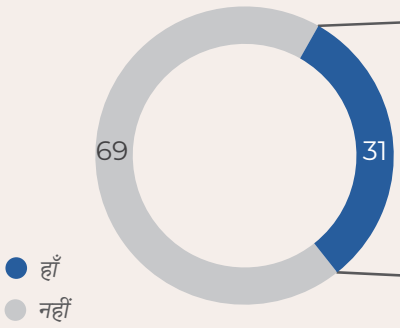

COVID-19 लॉकडाउन के दौरान प्रदाता के द्वारा प्रदान की जाने वाली परिवार नियोजन विधियों में व्यवधान के बारे में बताने वाले केन्द्रों के व्यवधान समय का प्रतिशत जब ये विधियाँ प्रदान नहीं की गई (n=71)

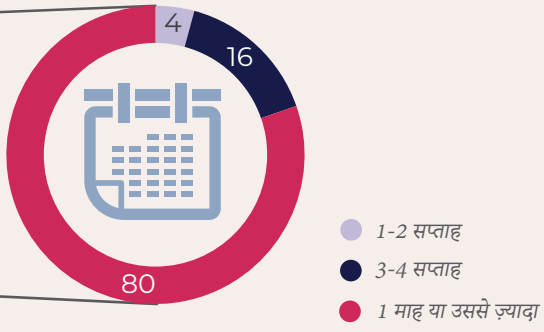

PMA|INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION

परिवार नियोजन विधियों की आपूर्ति

परिवार नियोजन सेवायें प्रदान करने वाले सेवा वितरण केन्द्रों में से उनका प्रतिशत जिन्होंने COVID-19 लॉकडाउन के दौरान परिवार नियोजन विधियों के अनियमित होने या आपूर्ति रुक जाने के बारे में बताया (n=506)

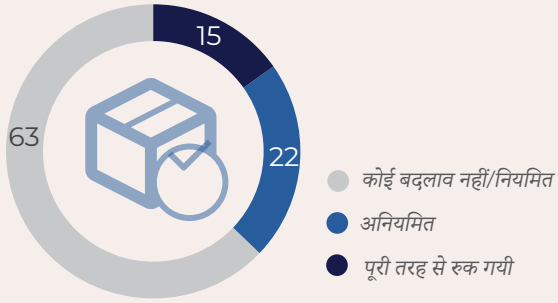

परिवार नियोजन लाभार्थियों में कमी

परिवार नियोजन की सुविधा प्रदान करने वाले सेवा वितरण केन्द्रों में से उन केन्द्रों का प्रतिशत जिन्होंने COVID-19 लॉकडाउन के दौरान परिवार नियोजन के लाभार्थियों में कमी के बारे में बताया (n=507)

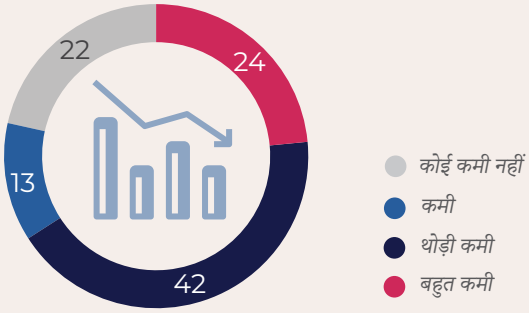

खंड 4 के प्रमुख परिणाम: सुविधा वितरण केन्द्रो पर प्रभाव

- परिवार नियोजन की सेवाएँ देने वाले केन्द्रों में से, 37% केन्द्रों ने COVID-19 प्रतिबंधों के दौरान अपने परिवार नियोजन के कर्मचारियों को COVID-19 से संबंधित कार्य सौंपे|
- परिवार नियोजन की सेवाएँ देने वाले केन्द्रों में से , 25% ने बताया कि उन्होंने COVID-19 प्रतिबंधों के दौरान परिवार नियोजन की सेवाओं को रोक दिया था| इनमे से 80% एक महीने या इससे लंबे समय के लिए निलंबित रही थी|
- परिवार नियोजन की सेवाएँ देने वाली 15% केन्द्रों ने बताया कि परिवार नियोजन विधियों की आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो गई थी, जबकि 22% ने परिवार नियोजन की आपूर्ति के अधिक अनियमित होने की जानकारी दी |

PMA शहरी, ग्रामीण और क्षेत्रीय स्तर के साथ बहु चरणीय स्तरीकृत क्लस्टर डिजाईन (समूह संरचना) का प्रयोग कर चयनित किये गए 134 गणना क्षेत्रों में परिवार नियोजन की जानकारी, अभ्यास और कवरेज के बारे में सूचना एकत्रित करता है | परिणाम उप-राष्ट्रीय स्तर एवं शहरी-ग्रामीण स्तर का प्रतिनिधित्व करते हैं | आंकड़े अगस्त से अक्टूबर 2020 के बीच 4,577 परिवारों (98.5% उत्तर दर), 15-49 वर्ष (98.1% उत्तर दर), की 5405 महिलाओं तथा 575 सुविधाओं (98.5% पूर्णता दर) और 521 क्लाइंट एक्ज़िट साक्षात्कार से एकत्रित किये गए | सैंपल जानकारी और सम्पूर्ण डेटा सेट्स के बारे में जानकारी के लिए www.pmadata.org/countries/india पर जाएं |

PMA इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ हेल्थ मैनेजमेंट & रिसर्च (IIHMR) के नेतृत्व में संचालित है | सभी प्रकार के निर्देश और सहयोग जोहन्स होपकिंस यूनिवर्सिटी में स्थित बिल एंड मेलिंडा गेट्स इंस्टिट्यूट फॉर पापुलेशन एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ और जपाईगो द्वारा प्रदान किए जाते हैं | वित्तीय सहायता बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा प्रदान की गई है |

PMA COVID-19 की वेबसाइट और प्रश्नावली का लिंक: https://www.pmadata.org/technical-areas/covid-19

PMA | INDIA
PERFORMANCE MONITORING FOR ACTION